Prabhat Khabar (Date: - 30/09/2019)

बारिश के बावजूद शहर के विभिन्न पूजा पंडालों को दिया जा रहा अंतिम रूप

जगदेव पथ पंडाल में दिखेगा भगवान बुद्ध का मंदिर

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

चंद्रायण का असर दुर्गा पूजा पंडालों में भी देखने को मिलेगा. ऐसे में जगदेव पथ स्थित मून क्लब समिति में भी तैयारियां जोर-शोर से हो रही है. पूजा पंडाल की तैयारियों के साथ यहां मिशन चंद्रायण का नजारा भी दिखेगा. इस दौरान हाइड्रोलिक तरीके से चंद्रायण ऊपर जाता दिखेगा. बता दें मून क्लब द्वारा पिछले 20 सालों से दुर्गापूजा के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है. समिति के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं. इस बारे में क्लब के कमेटी मेंबर्स ने बताया कि हर साल कुछ खास और अलग तरीके से पंडाल बनाने की कोशिश की जाती है. इसलिए हर बार पंडाल को विशेष रूप में तैयार किया जाता है. बताया गया कि इस साल यहां पंडाल के तौर पर भगवान बुद्ध की मंदिर बनाया जा रहा है. यहां पंडाल की ऊंचाई करीब 30 फुट की होगी, वहीं चौड़ाई 60 फुट है, जो तैयार होने के बाद लोगों को आकर्षित करेगा. यहां दर्शकों को पंडाल के अंदर भगवान बुद्ध का काल चक्र भी देखने को मिलेगी

पिछले एक महीने से चल रहा है काम

दुर्गा पूजा की तैयारी में आकर्षक पंडाल बनाने में करीब एक महीने से अधिक का समय लग जाता है. इस बार यहां पंडाल बनाने के लिए झारखंड की टीम आयी हुई है, कलाकार पंडाल बनाने में जुटे हुए हैं. वहीं मूर्ति बनाने के लिए कोलकाता के कारीगर मौजूद आये हैं,

जो मूर्ति बना रहे हैं. यहां देवी मां की मूर्ति करीब 10 फुट की होगी. इसकी तैयारी भी हो रही है. सप्तमी से मूर्ति का पट खोल दिया जाता है. इस दौरान भीड़ को देखते हुए महिला एवं पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगायी जाती है, ताकि किसी भक्तजनों को परेशानी का सामना न करना पड़े. सप्तमी से लेकर विजया दशमी तक के कार्यक्रम तय कर लिये गये हैं. फिलहाल हर किसी को बारिश छूटने का इंतजार है, ताकि सप्तमी से श्रद्धालुओं को माता का दर्शन आसानी से हो सके.

एलइडी बल्ब से जगमगायेगी रोशनी

मूर्ति, पूजा व पंडाल बनाने के साथ-साथ यहां और भी कई तरह की तैयारियां चल रही है. खास कर लाइट पर विशेष ध्यान दिया जाता है. जगदेव पथ के दोनों तरफ लंबी दूरी में लाइट डेकोरेशन किया जायेगा. इस बारे में बताया कि दुर्गा पूजा से संबंधित मीटिंग दो महीने पहले से ही होनी लगती है. सभी मेंबर्स मीटिंग में शामिल होते है, जिसमें मूर्ति के व पंडाल व विसर्जन के अलावा अन्य कार्यक्रमों की तैयारी के बारे में चर्चा होता है. समिति के सभी मेंबर्स की राय और सहमति के साथ कार्य आगे बढ़ती है. इस समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह है. सचिव अजय कुमार है. उप सचिव अजय कुमार है और कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार है.

चंद्रायण का भी दिखेगा नजारा

बारिश के कारण आ रही हैं कई परेशानियां

पंडाल बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है. पिछले एक महीने से काम चल रहा था. तैयारियां जोर-शोर से थी, लेकिन बारिश होने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि हमारी पूरी कोशिश होती है कि पूजा पंडाल के साथ अन्य सुविधाओं पर भी पूरा ध्यान दिया जाये.

अजय कुमार, सचिव, मून क्लब

लगभग तैयारी हो चुकी थी. बस कुछ खरीदारी बाकी है, लेकिन बारिश होने के कारण कई काम में देरी हो गयी है. क्योंकि शहर में काफी पानी और जलजमाव दिख रहा है. इन परेशानियों को देखते हुए तैयारी हो रही है. कलश स्थापना के बाद सप्तमी की तैयारी जारी है, जिसे किसी तरह पूरा किया जा रहा है.

सिकंदर सिंह, उप सचिव, मून क्लब

Hindustan (Date: - 30/09/2019)

सती के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख है बड़ी पटनदेवी

पटना सिटी

पटना सिटी | अंजनी कुमार मिश्र

गुलजारबाग स्थित श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर सती के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख है। यहां शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। देश के कई भागों के लोग यहां माता का आशीर्वाद ग्रहण करने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां सती का दाहिना जंघा व वस्त्र गिरा था। इसी से इस क्षेत्र का नाम पाटलिपुत्र पड़ा।

शक्तिपीठ में अल सुबह साढ़े पांच बजे घंटा, शंख, मृदंग व करतल ध्वनि के साथ माता की मंगला आरती होती है और इसके बाद भक्तों की भीड़ दर्शन को उमड़ पड़ती है। रात को नौ बजे मइया की विशेष आरती की जाती है। इस शक्तिपीठ में काले पत्थर की बनी महाकाली, महालक्ष्मी व महासरस्वती की प्रतिमा स्थापित है। इसके अलावा यहां भैरव की प्रतिमा भी है। जिसे व्योमकेश के रूप में जाना जाता है। यह मंदिर कौलिक मंत्र की सिद्धि के लिए काफी प्रचलित है। मान्यता है कि मंदिर में विराजमान मूर्तियां सतयुग की हैं। अशोक काल में यहां माता का छोटा मंदिर था, जिसे भक्तों ने बाद में विशाल रूप दिया। मंदिर परिसर में ही योनिकुंड है जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें डाली गयी हवन सामग्री भष्म के रूप में भूगर्भ में चली जाती है। महाअष्टमी की रात विशेष श्रृंगार भोग के बाद महानिशा पूजा का अनुष्ठान होता है। मां पटनेश्वरी को प्रतिदिन महाप्रसाद के रूप में दिन में कच्ची व रात में पक्की प्रसाद का भोग लगता है। यहां पशुओं की बलि देने की परंपरा रही है। श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति के बाद पशु की बलि देते है। नवरात्र के अष्टमी व नवमी के दिन यहां अपार भीड़ उमड़ती है। सिद्ध शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी के महंत पं. विजयशंकर गिरि बताते हैं कि नवरात्र में पटनेश्वरी का दर्शन करने से मनोवांछित फल मिलता है। नवरात्र के नौ दिन माता के विभिन्न स्वरूपों की आराधना की जाएगी।

गुलजारबाग स्थित श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर में स्थापित मूर्ति। ● हिन्दुस्तान

Hindustan (Date: - 30/09/2019)

अखंड दीपों से ताराचंडी धाम जगमग

सासाराम | नगर संवाददाता

ताराचंडी धाम में हर वर्ष बढ़ रही है अखंड दीपों की संख्या। मां ताराचंडी के धाम में पहले शारदीय नवरात्र में दो-चार अखंड दीप जलते थे। लेकिन, आजकल चैत्र व शारदीय नवरात्र में इसकी संख्या 700 पार कर गई है। दर्जन भर से ज्यादा अखंड दीप बारहों महीने जलते हैं। रविवार को सात सौ की संख्या में भक्त अखंड दीप जलाने पहुंचे थे।

भक्तों की दीप जलाने के लिए बढ़ रही भीड़ से अब जगह भी कम पड़ते जा रहा है। पहले मां के गर्भगृह में अखंड दीप जलता था। लेकिन, जगह कम पड़ने के कारण मंदिर के महंथ ने अलग एक दीप घर का निर्माण कराया।

मां ताराचंडी धाम के दीपघर में रविवार को जलते सैकड़ों अखंड दीप। ● हिन्दुस्तान

नवरात्र में 20-25 क्विंटल घी की होती है खपत

भक्त अपनी मन्नतों को लेकर नवरात्र के पहले दिन नौ दिनों के लिए अखंड दीप जलाते है। नवमी को हवन करने के बाद विसर्जन करते हैं। अब तो धाम में अखंड दीप जलाने के लिए गया व पटना से भी भक्त पहुंचने लगे हैं। इसी का नतीजा है कि नवरात्र में 20-25 क्विंटल घी की खपत अखंड दीप में होती है। इसके अलावे तुतला भवानी धाम, आस्कामिनी मंदिर सहित कई मंदिरों में भी अखंड दीप जलाने की परंपरा है।

Hindustan (Date: - 30/09/2019)

हमेशा ऊंचा सपना देखें : दीपक मिश्रा

पटना | वरीय संवाददाता

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा ने रविवार को चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय लीगल एड कार्यशाला के समापन के मौके पर अंग्रेजी के महान उपन्यासकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे को कोट करते हुए कहा कि मनुष्य को बर्बाद तो किया जा सकता है लेकिन पराजित नहीं किया जा सकता।

उन्होंने न्यायपालिका में आमजनों के विश्वास को मजबूत करने की बात की और कहा कि डॉकेट समावेशिता कैसे आम जनता के लिए काफी फायदेमंद होती है। उन्होंने मीडिएशन और पीआईएल के भी विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

जस्टिस मिश्रा ने बताया कि कैसे वकालत एक अत्यंत पवित्र और सर्वोत्तम सेवा है। उन्होंने प्रतिभागियों से हमेशा ऊंचा सपना देखने की सलाह दी। इससे पहले पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति दिनेश सिंह ने बताया कि लीगल एड के कौन-कौन से मुख्य पहलू हैं, जिन्हें और मजबूत बनाना है। उन्होंने इसके इतिहास पर भी प्रकाश डाला। पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शिवजी पांडेय ने जस्टिस दीपक मिश्रा के लीगल एड के लिए दिए हुए फैसलों को मील का पत्थर बताया।

उन्होंने प्रतिभागियों से आदर्शों पर कभी समझौता नहीं करने की वकालत की। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविदयालय की कुलपति न्यायमूर्ति मृदुला मिश्रा ने किया। उन्होंने इस प्रतियोगिता के महत्व के बारे में बताया।

नंदिता झा ने परिणामों की घोषणा की

पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनिल उपाध्याय, न्यायमूर्ति प्रभात कुमार झा और न्यायमूर्ति आरके मिश्रा भी मौजूद थे। नंदिता झा ने परिणामों की घोषणा की। उसके बाद विजेताओं को पुरस्कार अतिथियों ने दिया। विद्यार्थी समन्वयक शिवम ने सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सभा का कुशल नेतृत्व और संचालन हिमांशु और सृष्टि ने किया। न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा की पत्नी भी इस मौके पर मौजूद थीं। कार्यक्रम में फादर पीटर, विजय विमल, सुगंधा सिन्हा और सदफ फहीम ने अहम भूमिका निभाई। संयोजक प्रोफेसर अजय कुमार थे।